vinetur

ब्रिटेन का कहना है कि यूके-ईयू सीमा समझौते के दायरे से वाइन और स्पिरिट्स बाहर रहेंगे

1 मार्च, 2028 को लागू होने वाले स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य ढांचे से मिलने वाली राहत वाइन और स्पिरिट्स को बाहर रखने से सीमित रहेगी

शनिवार, 21 नवंबर 2026



ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि यूरोपीय संघ के साथ सहमत नए स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य ढांचे के दायरे में वाइन और स्पिरिट्स शामिल नहीं होंगे। इससे सीमा पर मिलने वाली उस राहत की स्पष्ट सीमा तय हो जाती है जिसकी इस समझौते से 1 मार्च, 2028 को लागू होने पर उम्मीद है।

यह बात UK-EU Summit 2026 के दस्तावेज़ों के साथ जारी Cabinet Office के एक व्याख्यात्मक दस्तावेज़ में सामने आई है। इसमें बताया गया है कि ब्रेक्ज़िट के बाद खाद्य सुरक्षा, पशु स्वास्थ्य और पादप स्वास्थ्य से जुड़े व्यापार को संभालने के लिए लंदन और ब्रसेल्स की क्या योजना है। दस्तावेज़ इस समझौते को सीमा-पार व्यापार की अड़चनें घटाने का तरीका बताता है, साथ ही मनुष्यों, पशुओं और पौधों के स्वास्थ्य के लिए उच्च मानक बनाए रखने की बात करता है।

योजना के तहत यूके और ईयू अपने-अपने स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य मानक लागू करते रहेंगे, लेकिन जोखिम सामने

आने पर तुरंत जानकारी साझा करने और निरीक्षण तथा रोगों की रोकथाम के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी जताएंगे। व्याख्यात्मक दस्तावेज़ के मुताबिक, नई व्यवस्था का मकसद स्वास्थ्य सुरक्षा कायम रखते हुए व्यापार के प्रवाह को सुगम बनाना है।

Cabinet Office के अनुसार, यह व्यवस्था खाद्य सुरक्षा, पशु स्वास्थ्य और पादप स्वास्थ्य से जुड़े उत्पादों पर लागू होगी। दस्तावेज़ में नियमों के प्रवर्तन, विवाद निपटाने की प्रक्रियाओं और वैज्ञानिक प्रगति या नए खतरों के जवाब में स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य उपायों को बदलने की व्यवस्था का भी ब्योरा दिया गया है।

लेकिन वाइन और आसवित पेयों को बाहर रखने का मतलब है कि यह समझौता यूके और ईयू के बीच आने-जाने वाले सामान पर ब्रेक्ज़िट के बाद की हर बाधा को दूर नहीं करेगा। पेय व्यापार से जुड़े कारोबारों के लिए यह अहम है, क्योंकि वाइन और स्पिरिट्स का व्यापार करने वाली कंपनियों को शायद वही सीमा-प्रक्रिया सरलीकरण न मिले जो अन्य कृषि-खाद्य उत्पादों पर लागू हो सकता है। व्यवहार में, इससे चैनल पार पेय व्यापार के एक अहम बाज़ार में अलग-अलग नियामकीय जांच, कागजी कार्रवाई या अनुपालन प्रक्रियाएं जारी रह सकती हैं।

व्याख्यात्मक दस्तावेज़ में नई व्यवस्था पूरी तरह लागू होने से पहले की संक्रमणकालीन व्यवस्थाओं का भी उल्लेख है। Cabinet Office के मुताबिक, इस संक्रमण अवधि का उद्देश्य कारोबारों, नियामकों और सीमा अधिकारियों को नई आवश्यकताओं के अनुरूप ढलने का समय देना है। सरकार का कहना है कि इस प्रक्रिया में कार्यान्वयन की समय-सीमा, अधिकारियों का प्रशिक्षण और प्रभावित हितधारकों के साथ संवाद शामिल होगा।

यह संक्रमण अवधि उन कारोबारियों के लिए खास तौर पर अहम हो सकती है जो मिश्रित खेप भेजते हैं, जिनमें पेय और खाद्य उत्पाद साथ होते हैं। भले ही स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य समझौते के तहत कुछ श्रेणियों की अड़चनें कम हों, लेकिन वाइन या स्पिरिट्स जैसे अपवर्जित उत्पादों वाली खेपों को संभालना अब भी कारोबारियों की व्यापक समझौते की घोषणा के समय की उम्मीद से अधिक जटिल हो सकता है।

यह दस्तावेज़ यूके के ईयू से अलग होने के बाद व्यापार प्रबंधन को स्थिर करने के लिए लंदन और ब्रसेल्स की व्यापक कोशिशों के बीच आया है। ब्रेक्ज़िट के बाद से, सीमा पार खाद्य, पशु और पादप उत्पाद भेजने वाली कंपनियों के लिए स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य नियम लागत और देरी के प्रमुख कारणों में रहे हैं। सरकार का व्याख्यात्मक दस्तावेज़ नए ढांचे को इस समस्या के समाधान के लिए सहयोगात्मक कदम के रूप में पेश करता है, न कि ब्रेक्ज़िट से पहले की व्यवस्था में वापसी के तौर पर।

Cabinet Office का कहना है कि दोनों पक्षों ने अपने-अपने मानक बनाए रखने पर सहमति जताई है, उन्हें कम करने पर नहीं। दस्तावेज़ इस समझौते को आसान व्यापार और जनस्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य तथा पादप स्वास्थ्य की निरंतर सुरक्षा के बीच संतुलन के रूप में पेश करता है। इसमें यह भी ज़ोर दिया गया है कि बीमारी फैलने या अन्य जोखिमों के सामने आने पर नई नियंत्रण व्यवस्थाएं लागू करने के लिए प्रणाली पर्याप्त रूप से लचीली होनी चाहिए।

उत्तरी आयरलैंड एक और संवेदनशील मुद्दा है। जहां नियामकीय अंतर अब भी बने हुए हैं, वहां आपूर्ति जारी रखने के लिए सरकार मौजूदा लचीली व्यवस्थाओं को बनाए रखने पर विचार कर रही है। इससे संकेत मिलता है कि लंदन को उम्मीद नहीं है कि नया स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य ढांचा शुरू होते ही मतभेद से जुड़े सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे, खासकर उन क्षेत्रों में जो समझौते के दायरे से बाहर हैं।

वाइन व्यापारियों, आयातकों और वितरकों के लिए यह अहम साबित हो सकता है। ब्रेक्ज़िट के बाद से उत्तरी आयरलैंड यूके के आंतरिक बाज़ार के सबसे करीबी निगरानी वाले हिस्सों में रहा है, क्योंकि वहां सामान पर यूके और ईयू, दोनों के नियामकीय विचार लागू हो सकते हैं। अगर वाइन नई व्यवस्था के दायरे से बाहर रहती है, तो कुछ खाद्य श्रेणियों के अधिक सुव्यवस्थित प्रणाली में आने के बावजूद कारोबारियों को उस बाज़ार में आपूर्ति के लिए अलग प्रक्रियाओं की योजना बनानी पड़ सकती है।

Cabinet Office का व्याख्यात्मक दस्तावेज़ स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य समझौते को व्यापार की सभी अड़चनों का संपूर्ण समाधान नहीं बताता। इसके बजाय, इसमें तय दायरे और शर्तों वाला ढांचा पेश किया गया है, जिसके तहत 1 मार्च, 2028 को कार्यान्वयन की दिशा में चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जाएगा। इसका मुख्य संदेश है कि यूके और ईयू स्वास्थ्य-संबंधी व्यापार नियंत्रणों पर व्यावहारिक सहयोग बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण अपवाद बने रहेंगे, जो खाद्य और पेय अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्सों के लिए मायने रखेंगे।